

न्यायालय अति.जिला कलेक्टर, टोंक

(सुखराम खोखर, आर०ए०एस० द्वारा अध्यासित)

प्रकरण संख्या
प्रविष्टि दिनांक

03 / 2018
22.02.2018

रोडू पुत्र रामकरण जाति जाट निवासी इन्दोली तहसील मालपुरा जिला टोंक राज०

—अपीलान्ट

बनाम

नायब तहसीलदार मालपुरा जिला—टोंक राजस्थान

—रेस्पोजेण्ट

अपील अन्तर्गत धारा 75 रा०ले०रे०एक्ट विरुद्ध निर्णय न्यायालय नायब तहसीलदार मालपुरा
दिनांक 26.09.2017 धारा 91(3) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956


उपस्थिति : (1) श्री अनुराग गौत्तम, अभिभाषक अपीलान्ट
(2) श्री जुगनु शर्मा, राजकीय अभिभाषक रेस्पोजेण्ट
निर्णय

दिनांक 28.02.2020

अपील का संक्षिप्त में सार इस प्रकार है कि अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार मालपुरा ने अपने आदेश दिनांक 26.09.2017 के द्वारा अपीलान्ट को भूमि खसरा नम्बर 804/1 में से 1 बिस्वा भूमि किस्म गै०मु० रास्ता वाके ग्राम इन्दोली पर पश्चातवर्ती अतिक्रमण मानकर शास्ति कायम कर भूमि से बेदखल करने का आदेश पारित किया है। अपीलान्ट ने नायब तहसीलदार मालपुरा के उक्त आदेश से व्यथित होकर आदेश को खिलाफ कानून बताते हुए निरस्त किये जाने हेतु अपील प्रस्तुत की है।

प्रकरण प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया एवं तलबी रेस्पोजेण्ट जरिए सम्मन की जाकर अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गई। प्रकरण में अभिभाषक अपीलान्ट एवं राजकीय अभिभाषक की बहस सुनी गई।

विद्वान अभिभाषक अपीलान्ट ने दोराने बहस अपील में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि अपीलांट की स्वयं की खातेदारी की भूमि ग्राम इन्दोली में है। आराजी खसरा नम्बर 758 शा.नं. 759 रकबा 1 बीघा 5 बिस्वा में मन अपीलांट ने पुख्ता निर्माण कर रखा है। जिसमें खाखला डालता है, कृषि औजार रखता है। यह पुख्ता निर्माण बरसों पहले से है आज तक किसी भी पटवारी हल्का ने अपीलांट को इस बाबत नोटिस नहीं दिया है। खसरा नम्बर 804 के पास ही अपीलांट की खातेदारी की भूमि खसरा नम्बर 758 शा.नं. 579 है। अपीलांट से गांव में राजनैतिक व व्यक्तिगत दुश्मनी रखते हैं, उन लोगो ने अपीलांट को नुकसान पहुंचाने के लिए पटवारी से यह गलत नोटिस जारी करवाया है जबकि अपीलांट का रास्ते की भूमि पर कोई अतिक्रमण नहीं है और जो निर्माण कार्य है वह स्वयं की भूमि में है। अपीलांट को सुनवाई का अवसर प्रदान नहीं किया गया है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा एकतरफा में निर्णय पारित


बद्विरिक्त जिला कलेक्टर
टोंक



किया गया है। प्रकरण सीमा विवाद का है। प्रकरण मे यदि पेमाईस की जाती है तो अपीलांट का कथन पूर्ण रूप से साबित होता है कि उसका निर्माण रास्ते मे नही है। रास्ता मानकर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जो निर्णय पारित किया गया है वह गलत है। इस निर्णय के आधार पर रेस्पो. अपीलांट के निर्माण को तोडने पर उतारू है। अतः अपील अपीलाण्ट स्वीकार कर अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय निरस्त किया जावे।

अपीलान्ट के विद्वान अभिभाषक की बहस का जवाब देते हुए राजकीय अभिभाषक ने कथन किया कि सम्मन पर अपीलाण्ट की विधिवत तामिल हुई है। अतिक्रमी अधीनस्थ न्यायालय मे उपस्थित नही हुआ है। पटवारी हल्का की रिपोर्ट के अवलोकन से यह भी ज्ञात होता है कि अपीलान्ट ने उक्त आराजी खसरा नम्बर पर इससे पूर्व में भी अतिक्रमण किया था। अतिक्रमी गै0मु0 रास्ता भूमि पर बार बार अतिक्रमण करने का आदी है, उपलब्ध दस्तावेजात से अपीलाण्ट का पश्चातवर्ती अतिक्रमी होना सिद्ध है। अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय सही एवं उचित है। अतः अपील अपीलान्ट खारिज योग्य है।

विद्वान अभिभाषक अपीलान्ट एवं राजकीय अभिभाषक की बहस पर मनन किया एवं अधीनस्थ न्यायालय की अपीलाधीन पत्रावली का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली का अध्ययन करने से विदित होता है कि अपीलान्ट को अधीनस्थ न्यायालय द्वारा नोटिस दिया गया है। अपीलाण्ट अधीनस्थ न्यायालय मे उपस्थित नही हुआ है। अपीलान्ट द्वारा सार्वजनिक उपयोग की राजकीय भूमि खसरा नम्बर 804/1 मे से रकबा 1 बिस्वा किस्म गै0मु0 रास्ता भूमि वाके ग्राम इन्दोली तहसील मालपुरा पर अतिक्रमण कर रखा है।

तहसीलदार मालपुरा ने पत्र क्रमांक 562 दिनांक 13.06.2018 से अवगत कराया है कि उक्त खसरा नम्बर पर रोडू रामस्वरूप वगै0 पि0 रामकरण जाट का अतिक्रमण होना पाया गया है।

फलतः अपील अपीलाण्ट अस्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 26.09.2017 यथावत रखा जाता है। प्रार्थना पत्र स्थगन खारिज किया जाता है एवं अधीनस्थ न्यायालय को निर्देश दिये जाते है कि अपीलाधीन आदेश के क्रियान्वयन से पूर्व ग्राम इन्दोली के खसरा नम्बर 804/1 किस्म गै0मु0 रास्ता की भूमि पर अपीलांट के अतिक्रमण का मौके पर सीमाकन करने के पश्चात अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करे

निर्णय आज दिनांक 28.02.2020 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



Rou
(सुखराम खोखर)
सर्वोच्च न्यायालय
आ.स.जिला कलेक्टर टाक

